CLASS – 0 (ANGER ETC)

* किसने बुलाया था इस निगोड़ी ईद को
* रुष्ट हो कर पूछा-क्या है जी, क्या कहते हो
* जुम्मन ने धृष्टता के साथ उत्तर दिया-रुपये क्या यहाँ फलते हैं
* जुम्मन ने क्रोध से कहा-अब इस वक्त मेरा मुँह न खुलवाओ
* आँखों में धूल झोंक दी, सत्यानाशी बैल गले बाँध दिया, हमें निरा पोंगा ही समझ लिया है
* ” हे भगवान, कैसे आदमी से मेरी शादी करवा दी जो मुझे एक छाता तक खरीद कर नहीं दे सकता।”
* चिल्ला के बोला ” मेरी कार किसने तोड़ी।”
* अबे ओ बदमाश, बदतमीज, कहाँ बढ़ा जा रहा है
* बेवक़ूफ़, ये हमारे उज्जवल भविष्य की शुरुआत नहीं अंत है

CLASS – 1 (JOY ETC)

* आज का सूर्य देखो, कितना प्यारा, कितना शीतल है, यानी संसार को ईद की बधाई दे रहा है
* कितना मनोहर, कितना सुहावना प्रभाव है
* मोह की इससे सुंदर, इससे सजीव, इससे भावमय कल्पना नहीं की जा सकती
* हाथ जोडक़र बोले-धर्मावतार, आज जीवन सफल हो गया
* आपका बंग बहुत अच्छा था
* मुझे यह सुनकर खुशी हुई
* सुखिया- ''तुम्हारे मुँह में घी-शक्कर, बेटा, भगवान् करे तुम जल्द अच्छे हो जाओ
* आज वह बहुत खुश था।
* अभी तक कोई शत्रु मुझे हरा नहीं सका है

CLASS – 2 (SAD ETC)

* वह चार-पाँच साल का गरीब- सूरत, दुबला-पतला लड़का, जिसका बाप गत वर्ष हैजे की भेंट हो गया और माँ न जाने क्यों पीली होती-होती एक दिन मर गयी
* लाचार बेचारे गाड़ी पर ही लेट गये
* चौधरी ने निराश हो कर कहा-नहीं, मुझे क्या उज्र होगा
* उन्हें बहुत ग्लानि हो गयी है, ऐसा न हो, कहीं चल दें
* मैं अभागा हूँ, जब तक जिन्दगी है, जिऊँगा, चाहे रोकर जिऊँ, चाहे हँसकर
* विंधये.-' उन्हें याद करके रोया करते हैं
* मुँह से निकला, हाय मेरे लाल
* बेचारा कन्हैया कहता क्या बस चुचाप बैठा सुनता रहा
* हे राम (A bit confusing but can be used.)

CLASS –3 (Suspense ETC)

* तोता कहाँ गया
* देखा, एक दूसरे वृक्ष के नीचे एक धुँधला दीपक जल रहा है, और कई आदमी बैठे हुए आपस में कुछ बातें कर रहे हैं
* सब लोग सन्नाटे में आ गये
* रात का अँधेरा घना हो चला था
* अचानक उन्हें एक छोटा सा रास्ता दिखाई दिया
* इधर उधर देखा पर कार नहीं मिली
* शेर ने चूहे को भागते देख उसे पकड़ लिया
* नीचे तीन-चार हाथ गहरा गढ़ा जो नीचे गई थीं
* बेटे, तुम मुस्तफा दरजी के लड़के तो नहीं हो

CLASS –4 (Neutral ETC)

* गाँव के बच्चे अपने-अपने बाप के साथ जा रहे हैं
* गर्मी के दिन थे और संध्या का समय
* एक लड़का था, दूसरी लड़की
* वे सब चिलम पी रहे थे
* मंदिर के आँगन में संगीत-मंडली बैठी हुई थी
* सब लोग उठ-उठकर जाने लगे
* अमर दफ्तर से आया तो नौकर को पुकारने लगा
* अपनी जेबें टटोलना शुरू कर दीं
* गजाधर बाबू ने कड़े स्वर में कहा